मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MVS–002

एम. ए. (वैदिक अध्ययन) (एम. ए. वी. एस.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.वी.एस.-002 : संहिता एवं ब्राह्मण

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गये निर्देशानुसार ही उत्तर दीजिए। प्रश्नों के उत्तर हिन्दी **अथवा** अंग्रेजी अथवा संस्कृत में से किसी भी भाषा में दिये जा सकते हैं।*

खण्ड—क

निर्देश:—*निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

4×15=60

1. अग्नि देवता के स्वरूप का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।
2. पुरुरवा-उर्वशी संवाद का वर्णन कीजिए।
3. विश्वामित्र-नदी संवाद का उदाहरण सहित वर्णन प्रस्तुत कीजिए।

4. अक्षसूक्त की विषय-वस्तु का सोदाहरण वर्णन कीजिए।
5. राष्ट्राभिवर्द्धन सूक्त का प्रतिपाद्य लिखिए।
6. मनु-मत्स्य आख्यान क्या है ? इसकी विषय-वस्तु का वर्णन कीजिए।
7. अग्निहोत्र ब्राह्मण के स्वरूप का विस्तार से वर्णन कीजिए।
8. गोपथ ब्राह्मण गायत्री ओंकार महिमा का वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख

निर्देशः—*निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 10 = 40$

1. 'कृमिनाशनम्' सूक्त का प्रतिपाद्य लिखिए।
2. 'वाक् सूक्त की विशेषताओं का सोदाहरण वर्णन कीजिए।
3. 'संज्ञान' सूक्त के महत्व का वर्णन कीजिए।
4. स्कम्भ और ज्येष्ठ ब्रह्म सूक्त की दार्शनिकता का वर्णन कीजिए।
5. शतपथ ब्राह्मण के वाङ्मनस् संवाद का वर्णन कीजिए।
6. संक्षेप में सामवेदीय ताण्ड्य ब्राह्मण का प्रतिपाद लिखिए।
7. 'सवितृ' सूक्त का सारांश लिखिए।
8. दर्शपौर्णमास् इस्टि का परिचयात्मक वर्णन प्रस्तुत कीजिए।

× × × × ×